शुद्ध पेट्रोल खरीदने का भी मिलेगा विकल्प

गडकरी बोले-ई20 पेट्रोल पर बड़ा फैसला एथेनॉल मिला पेट्रोल सुरक्षित

नई दिल्ली, 15 जुलाई. केंद्र सरकार ने एथेनॉल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा देने के लिए ई20 पेट्रोल को देशभर में लागू किया है. इसी बीच ई20 पेट्रोल को लेकर वाहन मालिकों की चिंताओं पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है.

उन्होंने कहा कि ई20 पेट्रोल वाहनों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है. अगर कोई व्यक्ति एथेनॉल मिला पेट्रोल नहीं लेना चाहता है तो उसके लिए शुद्ध पेट्रोल खरीदने का विकल्प भी उपलब्ध है. ई20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल मिलाया जाता है. सरकार का उद्देश्य एथेनॉल के उपयोग को बढ़ाकर पेट्रोलियम आयात पर देश की निर्भरता कम

करना और प्रदूषण को नियंत्रित करना है. हालांकि, कई वाहन मालिकों ने ई20 पेट्रोल को लेकर अपनी चिंताएं जताई हैं. कुछ लोगों का कहना है कि इससे गाड़ियों की औसत कम हो रही है और पुराने वाहनों में इंजन से जुड़ी परेशानियां आ सकती हैं. सरकार का कहना है कि नए वाहन ई20 पेट्रोल के अनुसार तैयार किए जा रहे हैं और यह ईंधन वाहनों के लिए सुरक्षित है. विशेषज्ञों के अनुसार, पुराने वाहनों में इसका प्रभाव अलग-अलग हो सकता है, इसलिए वाहन निर्माता कंपनियों की सलाह को ध्यान में रखना जरूरी है नितिन गडकरी ने कहा कि जो लोग एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल नहीं लेना चाहते, वे शुद्ध पेट्रोल खरीद सकते हैं.

> गडकरी ने यह भी संकेत दिया कि ई20 पेट्रोल को दोबारा पीछे हटाना आसान नहीं होगा, क्योंकि देश में एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य पूरा हो चुका है और यह ईंधन अब बड़े स्तर पर उपलब्ध है. एथेनॉल एक जैविक ईंधन है, जिसे गन्ने और अन्य फसलों से बनाया जाता है. इसके इस्तेमाल से कच्चे तेल के आयात में कमी लाने में मदद मिलती है. सरकार का मानना है कि एथेनॉल मिश्रण से किसानों को भी फायदा होगा, क्योंकि एथेनॉल उत्पादन के लिए कृषि उत्पादों की मांग बढ़ती है. साथ ही, इससे पर्यावरण पर पड़ने वाला दबाव कम करने में भी मदद मिल सकती है. हालांकि, वाहन मालिकों की समस्याओं और ईंधन की गुणवत्ता को लेकर लगातार चर्चा जारी है.

अब इंस्टामार्ट से मंगाएं एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली, 15 जुलाई. क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अब सिर्फ किराना और रोजमर्रा का सामान ही नहीं, बल्कि एलपीजी गैस सिलेंडर भी ऑर्डर किया जा सकेगा। इंस्टामार्ट और सरकारी तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मिलकर भारत की पहली ऑन-डिमांड एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी सेवा शुरू करने का ऐलान किया है। इस पहल के तहत ग्राहक इंस्टामार्ट ऐप के जरिए एचपीसीएल के नए 10 किलोग्राम वाले कंपोजिट सिलेंडर 'एचपी नव्या' के साथ 5 किलोग्राम वाले मेटल सिलेंडर का भी ऑर्डर कर सकेंगे। इस नई सुविधा की शुरुआत फिलहाल बेंगलुरु शहर से की जा रही है। कंपनियों के अनुसार, आने वाले समय में इसे देश के अन्य शहरों तक भी विस्तार दिया जा सकता है।

इंदौर से अबू धाबी अब सिर्फ 3 घंटे में सफर

मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे पहली सीधी विमान सेवा का शुभारंभ

नई दिल्ली, 15 जुलाई. मध्य प्रदेश के इंदौर शहर को एक बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है. अब इंदौर से अबू धाबी तक का सफर यात्रियों के लिए काफी आसान हो जाएगा. प्रदेश की पहली सीधी अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने जा रही है, जिससे यात्रियों को दिल्ली या मुंबई होकर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस नई विमान सेवा का शुभारंभ करेंगे. इस उड़ान के शुरू होने से मालवा और निमाड़ क्षेत्र के लोगों को विशेष लाभ मिलेगा. यह सेवा व्यापार, पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. इंदौर से अबू धाबी के बीच यह नई विमान सेवा टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित की जाएगी. यात्रियों को अब सीधे इंदौर से अबू धाबी जाने की सुविधा मिलेगी. पहले यात्रियों को अबू धाबी जाने के लिए दिल्ली या मुंबई से होकर यात्रा करनी पड़ती थी. इस वजह से सफर में करीब 7 से 8 घंटे तक का समय लग जाता था. नई सीधी उड़ान शुरू होने के बाद यह यात्रा लगभग 3 घंटे में पूरी हो जाएगी.

> इस अंतरराष्ट्रीय उड़ान से विदेश जाने वाले यात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों को काफी राहत मिलेगी. खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करने वाले लोगों के लिए यह सेवा समय और खर्च दोनों बचाने वाली साबित हो सकती है. इंदौर मध्य प्रदेश का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है. अबू धाबी से सीधा हवाई संपर्क बनने के बाद दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है. इस सेवा से उद्योग, निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा. विदेशों से आने वाले निवेशकों और पर्यटकों के लिए इंदौर तक पहुंचना आसान होगा. मध्य प्रदेश के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार प्रदेश को सीधी अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा मिलने जा रही है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विवादित इस्तेमाल का आरोप

नई दिल्ली, 15 जुलाई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को जहां कंपनियां काम को आसान बनाने और फैसले लेने में मददगार तकनीक के रूप में अपना रही हैं, वहीं इसके गलत इस्तेमाल को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं.

फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा पर आरोप लगा है कि उसने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से ऐसे कर्मचारियों की पहचान की, जो बीमारी, दिव्यांगता या मेडिकल छुट्टी जैसी परिस्थितियों से गुजर रहे थे। आरोप है कि इसके बाद इनमें से कई कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया।

मेटा के 26 पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी के खिलाफ कैलिफोर्निया की अदालत में मामला दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि छंटनी की प्रक्रिया में कंपनी ने एक विशेष कृत्रिम बुद्धिमत्ता सॉफ्टवेयर और कर्मचारियों की कार्यक्षमता से

26 पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी के खिलाफ अदालत में दायर किया मामला

जुड़े आंकड़ों का इस्तेमाल किया। इस प्रणाली ने उन कर्मचारियों को कम प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के रूप में चिन्हित किया, जो बीमारी या इलाज के कारण कुछ समय के लिए काम से दूर थे।

स्वदेशी वॉटर जेट तकनीक की सफल फैक्ट्री जांच

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 15 जुलाई.भारत ने समुद्री रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. गोवा स्थित एमजेपी इंडिया केंद्र में देश में निर्मित स्वदेशी समुद्री वॉटर जेट प्रणोदन प्रणाली की पहली फैक्ट्री स्वीकृति जांच सफलतापूर्वक पूरी की गई है.

इस महत्वपूर्ण परीक्षण के दौरान भारतीय तटरक्षक, मान्यता प्राप्त वर्गीकरण संस्था और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया. यह उपलब्धि भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है.

भारतीय तटरक्षक के लिए बनाए जा रहे 14 तेज गश्ती जहाजों की परियोजना में पहली बार देश में निर्मित वॉटर जेट प्रणोदन प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा.

इन जहाजों का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है. इससे पहले इस प्रकार की समुद्री प्रणोदन तकनीक के लिए भारत को विदेशी कंपनियों पर निर्भर रहना पड़ता था.स्वदेशी वॉटर जेट प्रणाली के सफल परीक्षण से भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमता और रक्षा उत्पादन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी.

गोवा स्थित एमजेपी इंडिया केंद्र को स्वीडन की एमजेपी एबी कंपनी के साथ तकनीकी हस्तांतरण समझौते के तहत स्थापित किया गया है. यह केंद्र भारत में आधुनिक वॉटर जेट प्रणोदन प्रणालियों के निर्माण और परीक्षण के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है.

> यह तकनीक तेज गति वाले समुद्री जहाजों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. वॉटर जेट प्रणाली जहाजों को अधिक गति, बेहतर नियंत्रण और कठिन समुद्री परिस्थितियों में प्रभावी संचालन की क्षमता प्रदान करती है. इस उपलब्धि से भारत के घरेलू रक्षा निर्माण उद्योग को मजबूती मिलेगी. स्वदेशी उत्पादन बढ़ने से विदेशी उपकरणों पर निर्भरता कम होगी और समुद्री सुरक्षा उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव में भी आसानी होगी. यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाती है. आने वाले समय में ऐसी स्वदेशी प्रणालियां भारतीय तटरक्षक और अन्य समुद्री सुरक्षा प्लेटफॉर्म की क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी.

शेयर बाजारों में लौटी तेजी

मुंबई, 15 जुलाई बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी लौट आयी और बीएसई का सेंसेक्स 130.49 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़कर 77,185.43 अंक पर पहुंच गया पिछले कारोबारी दिवस की गिरावट से उबरते हुए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 26.45 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की बढ़त से 24,078.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स 130 अंक चढ़ा

वृहत बाजार में भी तेजी देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.27 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.67 प्रतिशत ऊपर रहा। बैंकिंग, वित्त, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, ऑटो, फार्मा, स्वास्थ्य और रसायन सेक्टरों में तेजी रही। धातु, आईटी, एफएमसीजी, मीडिया और रियल्टी समूहों के सूचकांक लुढ़क गये सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर हरे निशान में रहे। इटरनल का शेयर तीन प्रतिशत की बढ़त में रहा। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर पौने तीन प्रतिशत चढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा के शेयर एक से डेढ़ फीसदी तक मजबूत हुए। एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, आईसीआईसीआई बैंक, अडानी पोर्ट्स रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी के शेयरों में भी तेजी रही।

501 दिन की एफडी पर मिलेगा 8 .50% ब्याज

फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने वालों के लिए बड़ी खबर

नई दिल्ली, 15 जुलाई. बैंक में सुरक्षित निवेश करने वाले ग्राहकों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है. कुछ बैंक अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाओं पर आकर्षक ब्याज दर दे रहे हैं. इसी बीच एक बैंक की 501 दिनों की एफडी योजना चर्चा में है, जिसमें निवेशकों को अधिकतम 8.50 प्रतिशत तक ब्याज मिलने का दावा किया जा रहा है.

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी को भारत में सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है,

क्योंकि इसमें पहले से तय ब्याज के आधार पर निश्चित रिटर्न मिलता है. हालांकि, निवेश करने से पहले बैंक की शर्तों और सुरक्षा मानकों की जानकारी जरूर लेनी चाहिए.

इस विशेष एफडी योजना में कम अवधि के निवेश पर ज्यादा ब्याज देने की पेशकश की जा रही है. 501 दिनों की अवधि उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है जो लंबे समय तक पैसा लॉक नहीं करना चाहते और फिर भी बेहतर रिटर्न चाहते हैं.

छोटे वित्त बैंक और कुछ अन्य बैंक समय-समय पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ज्यादा ब्याज वाली एफडी योजनाएं पेश करते हैं. अधिकतर बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अतिरिक्त ब्याज देते हैं. कुछ बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एफडी ब्याज दरें 8 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच रही हैं.

16 और 17 जुलाई को कुछ राज्यों में बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 15 जुलाई. आरबीआई की छुट्टियों की सूची के अनुसार कुछ राज्यों में रहेगा बैंक अवकाश, ऑनलाइन सेवाएं रहेंगी चालू अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम करना है तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है.

16 और 17 जुलाई 2026 को देश के कुछ राज्यों में बैंक बंद रहने वाले हैं. यह छुट्टी पूरे देश में लागू नहीं होगी, बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टियों की सूची के अनुसार कुछ राज्यों में ही बैंक शाखाएं बंद रहेंगी. 16 जुलाई, गुरुवार को हरेला और यू तिरोत सिंह दिवस के अवसर पर कुछ राज्यों में बैंक अवकाश रहेगा.

इस दिन उत्तराखंड और मेघालय में सरकारी और निजी बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगी. हालांकि, देश के बाकी राज्यों में बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे और कामकाज जारी रहेगा. 17 जुलाई को क्यों रहेगा बैंक अवकाश 17 जुलाई, शुक्रवार को यू तिरोत सिंह दिवस के कारण केवल मेघालय में बैंक बंद रहेंगे.

गौरी देवी का डेढ़ मिनट में आइब्रो बनाने का रिकॉर्ड

1000 लड़कियों को बनाया आत्मनिर्भर

जमुई (बिहार), 15 जुलाई सफलता की राह में मुश्किलें कितनी भी हों, अगर मेहनत और आत्मविश्वास साथ हो तो मंजिल हासिल की जा सकती है। बिहार के जमुई जिले के बरहट प्रखंड स्थित पाड़ो गांव की रहने वाली गौरी देवी ने अपने हुनर और मेहनत के दम पर ऐसी ही मिसाल पेश की है। शादी के अगले ही दिन उन्होंने ब्यूटी पार्लर का काम शुरू कर दिया था. आज गौरी देवी न सिर्फ अपना ब्यूटी पार्लर चला रही हैं, बल्कि दूसरी लड़कियों को भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षण दे रही हैं। उनके अनुसार, अब तक उन्होंने एक हजार से अधिक लड़कियों को ब्यूटी और पार्लर से जुड़े काम सिखाए हैं। गौरी देवी की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उनका तेज गति से काम करने का हुनर है। उन्होंने आसनसोल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान महज डेढ़ मिनट में आइब्रो बनाकर रिकॉर्ड बनाया था।

समाचार विशेष

इमरान मसूद ने अखिलेश को दिखाए तेवर

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपने-अपने राजनीतिक समीकरण साधने लगे हैं. हाल ही में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन लखनऊ दौरे पर थे. इस दौरान पार्टी अध्यक्ष ने संगठन और सहयोगी पार्टी के नेताओं के साथ बैठक करके पार्टी का रुख स्पष्ट कर दिया.

वहीं, मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में अभी भी सीट बंटवारे पर खींचतान चल रही है. कांग्रेस की तरफ से सांसद इमरान मसूद और प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम बैटिंग कर रहे हैं. इमरान मसूद ने तो यहां तक दावा कर दिया कि 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की वजह से सपा 37 सीट जीतने में सफल रही. उनके अनुसार, कांग्रेस से ज्यादा सपा को गठबंधन की जरूरत थी.

मीडिया से बातचीत के दौरान इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह के बयान पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए चिल्ला रही है. गठबंधन की वजह से ही आप 2024 में 37 सीटें ला पाए, वरना 2022 में 120 सीटें भी पार नहीं कर पाते. समाजवादी पार्टी एक मुस्लिम नेता या बोलने वाले नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है. सपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में किसे खत्म किया गया? मुख्तार, अतीक अहमद, आजम खान को. उन पर इल्जाम नहीं है. मैं अपनी सीट राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से जीता हूं.

मुस्लिम फैक्टर है मुख्य कारण

> दरअसल मुस्लिमों के एक बड़े हिस्से का झुकाव शुरू से ही कांग्रेस की तरफ रहा है. इसके अलावा पिछले कुछ सालों से भी कांग्रेस खुद को मुस्लिम मतदाताओं के बीच स्थापित करने की कोशिश कर रही है. कांग्रेस, सपा के एमवाय समीकरण से एम को अपने पाले में लाने की लगातार कोशिश कर रही है. कांग्रेस की तरफ से लोकसभा सांसद इमरान मसूद और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी सूबे में लगातार मुस्लिमों के बीच मौजूदगी दिखाई दे रहे हैं. वहीं, सपा के दिग्गज मुस्लिम चेहरे आजम खान अभी जेल में बंद हैं. बता दें, प्रदेश की 36 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां पर मुस्लिम उम्मीदवार अपने बूते ही पार्टी को जीत दिला सकते हैं.

2027 की कुर्सी पर चन्नी की नजर!

कैप्टन अमरिंदर सिंह का वो पुराना फॉर्मूला, जिसने आलाकमान की उड़ा दी नींद

चंडीगढ़. पंजाब कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष के पद को लेकर जारी सियासी घमासान थमता नजर नहीं आ रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने शनिवार को अपने समर्थक नेताओं के साथ पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल से मुलाकात की.

हालांकि, लंबी बैठक के बावजूद कोई सहमति नहीं बन सकी और अब पूरा मामला कांग्रेस हाईकमान के पास पहुंचने की संभावना है. खबरों के मुताबिक, बैठक में चन्नी और उनके समर्थकों ने विवाद खत्म करने के लिए दो

प्रमुख शर्तें रखीं. अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाया जाए या फिर चरणजीत सिंह चन्नी को 2027 विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया जाए और टिकट वितरण में उनकी राय को प्राथमिकता दी जाए.

बताया जा रहा है कि भूपेश बघेल ने चन्नी गुट की इन दोनों मांगों पर सहमति नहीं जताई. उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का फैसला केवल कांग्रेस हाईकमान ही ले सकता है. बैठक से पहले मीडिया से बातचीत में चन्नी ने कहा, तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे. उनके इस बयान को पार्टी नेतृत्व के खिलाफ सख्त रुख का संकेत माना जा रहा है. पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से यह राजनीतिक धारणा रही है कि जिस नेता के नेतृत्व में पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ती है, जीत के बाद मुख्यमंत्री बनने की संभावना उसी की सबसे अधिक होती है.

शक्ति प्रदर्शन से दिया संदेश

> प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद चन्नी ने कांग्रेस नेतृत्व का सार्वजनिक धन्यवाद देने के बजाय अपने मोरिंडा आवास पर समर्थक विधायकों और नेताओं की बैठक बुलाकर शक्ति प्रदर्शन किया. इसे हाईकमान को राजनीतिक संदेश देने की कोशिश माना गया. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंजाब कांग्रेस का मौजूदा विवाद केवल संगठनात्मक नियुक्ति का नहीं, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद की संभावित दावेदारी का है. यदि राजा वड़िंग प्रदेश अध्यक्ष बने रहते हैं और कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करती है तो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में उनका दावा मजबूत होगा.

नीतीश के रास्ते से दूर हो रही जद-यू?

पटना. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने प्रवक्ताओं की नई लिस्ट जारी की है. इस लिस्ट ने सभी को हैरान कर दिया. दरअसल प्रवक्ताओं की लिस्ट में किसी भी दलित-मुस्लिम को मौका नहीं दिया गया है. इसमें से इस बार नीतीश कुमार का लव-कुश समीकरण भी गायब नजर आ रहा है.

कयास लगाए जा रहे हैं कि लिस्ट पर नीतीश कुमार की छाप नहीं है. दरअसल जेडीयू में मुस्लिम और दलितों को हमेशा से ही तवज्जो दी जाती रही है, लेकिन इस बार बदलते समीकरणों ने सभी को चौंका दिया है.

जेडीयू ने भारती मेहता, नवल शर्मा, मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार, निहोरा प्रसाद, पूजा शर्मा, अभिषेक झा, चंदन कुमार, अनुप्रिया यादव और शंभु शरण सिंह को प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी है. इन नामों को अगर जातीय एंगल से देखा जाए तो 3 भूमिहार, 2 यादव, 1 ब्राह्मण, 1 राजपूत और 1 अतिपिछड़ा-ईसाई जाति से एक-एक नेता को प्रवक्ता बनाया है. पार्टी ने इन सभी को पार्टी का पक्ष रखने, देश के किसी भी मुद्दे पर अपनी बात रखने और बुरी परिस्थितियों में पार्टी का बचाव करने के लिए नियुक्त किया है.

किस-किस जाति से हैं प्रवक्ता?- नए प्रवक्ताओं की लिस्ट में नीरज यादव भूमिहार, भारती मेहता अति-पिछड़ा, निहोरा यादव- यादव जाति से हैं. वहीं अभिषेक झा ब्राह्मण, नवल शर्मा भूमिहार, पूजा शर्मा ईसाई, अनुप्रिया यादव, चंदन कुमार सिंह राजपूत और शंभूनाथ सिंह भूमिहार जाति से आते हैं. इस तरह पार्टी ने अपने प्रवक्ताओं को जातीय समीकरण के हिसाब से जिम्मेदारी सौंपी है. लेकिन बड़ा सवाल यह है कि पार्टी ने इस बार लिस्ट से मुस्लिमों और दलितों का साइडलाइन कर दिया है. पार्टी ने लव-कुश नेताओं को भी प्रवक्ता की जिम्मेदारी नहीं दी है.

यह दलित और मुस्लिम नेता थे प्रवक्ता

> इससे पहले जेडीयू में दलित जाति से हेमराज और महेश दास प्रवक्ता के पद पर कार्यरत थे. वहीं मुस्लिम नेताओं में अंजुम आरा और अकबर अली को यह जिम्मेदारी दी गई थी. इस तरह जेडीयू में जितेंद्र पटेल अपने लव समीकरण को साध रहे थे. लेकिन इस बार लिस्ट से यह पांचों नाम गायब नजर आ रहे हैं.

विशेष **हरियाणा में कांग्रेस पार्टी पिछले तीन चुनाव से हार रही है**

हरियाणा में फिर हुड्डा बनाम सुरजेवाला

चंडीगढ़. इस बार हरियाणा में कांग्रेस के अंदर की गुटबाजी ज्यादा खुल कर सामने आ गई है. प्रदेश के नए प्रभारी संजय दत्त के सामने भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रणदीप सुरजेवाला ने एक दूसरे पर तंज किया और निशाना साधा.

असल में पांच दिन के दौरे पर पहुंचे नए प्रभारी संजय दत्त ने सभी नेताओं को एक मंच पर इकट्ठा किया था. वहां हुड्डा को बोलने का मौका मिला तो उन्होंने कहा कि सुरजेवाला साथ आ जाएं तो वे भाजपा को हरा सकते हैं. इसके बाद जब सुरजेवाला को मौका मिला तो उन्होंने कहा कि वे तो 20 साल से हुड्डा साहब का साथ दे रहे हैं. अबकी बार हुड्डा उनका साथ दें तो वे कांग्रेस को जीत दिला देंगे. इसके बाद उन्होंने पिछले चुनाव नतीजों को लेकर कई सवाल

उठाए. सुरजेवाला ने कहा कि हर बार कहा जाता है कि फोट प्रतिशत बढ़ा या इतने वोट मिले लेकिन सरकार बनाने के लिए जरूरी 46 सीट तो नहीं आ रहा है. पिछली बार कांग्रेस जीतते जीतते हारी. कुमारी शैलजा के निष्क्रिय हो जाने से दलित वोट में बिखराव हुआ, जिसके कारण कांग्रेस हारी.

गौरतलब है कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी पिछले तीन चुनाव से हार रही है. लगातार 10 साल भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री रहे और उसके बाद 2014 से अभी तक तीन चुनाव कांग्रेस हारी है. इसके बावजूद पार्टी पर हुड्डा की पकड़ कमजोर नहीं हुई है. कुछ समय पहले तक हरियाणा में हुड्डा विरोधी गुट को एसआरके कहा जाता था. यानी शैलजा, रणदीप और किरण चौधरी का गुट. बाद में किरण चौधरी भाजपा के साथ चली गईं. कुलदीप बिश्नोई पहले ही भाजपा के साथ जा चुके हैं. हालांकि चौधरी बीरेंद्र सिंह का परिवार वापस कांग्रेस में लौटा है. बीरेंद्र सिंह और उनके बेटे ब्रजेंद्र सिंह तटस्थ रुख रख हुए हैं. कहा जा रहा है कि कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला एक साथ हैं.